राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर के अन्तर्गत

डिप्लोमा स्तर के नियमित पाठ्यक्रम

गायन/स्वरवाद्य

(गिटार,सितार,हारमोनियम,वायोलिन,बांसुरी,इत्यादि)

संगीत संकाय

अनुक्रमणिका

परिशिष्ठ क्रमांक	पाठ्यक्रम
परिशिष्ठ कं. 01	कक्ष संचालन व्याख्यान कैलेण्डर
	परीक्षा अंकन योजना
परिशिष्ठ कं. 02	सर्टिफिकेट / डिप्लोमा / एडवांस डिप्लोमा कोर्स गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ कं. 03	संगीतिका जूनियर सीनियर डिप्लोमा एवं लोक संगीत दो वर्षिय डिप्लोमा गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ कं. 04	वेर्स्टन म्यूजिक गिटार एवं की बोर्ड सर्टिफिकेट डिप्लोमा एवं एडवांस डिप्लोमा गायन एवं स्वर वाद्य
	महाविद्यालय स्तर के नियमित पाठ्यक्रम
परिशिष्ठ क्र.–05	सर्टिफिकेट कोर्स (एक वर्षीय) गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ क्र.–06	डिप्लोमा कोर्स (एक वर्षीय) गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ क्र.–07	एडवांस डिप्लोमा कोर्स (एक वर्षीय) गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ क्र.–08	संगीतिका जूनियर ड़िप्लोमा (सुगम संगीत) गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ क्र.–09	संगीतिका सीनियर डिप्लोमा (सुगम संगीत) गायन एवं स्वर वाद्य
परिशिष्ठ क्र.–10	लोक संगीत दो वर्षिय डिप्लोमा कोर्स(जूनियर एवं सीनियर डिप्लोमा)
परिशिष्ठ क्र.–11	वेर्स्टन म्यूजिक गिटार एवं की बोर्ड (एक वर्षीय सर्टिफिकेट कोर्स)
परिशिष्ठ क्र.–12	वेर्स्टन म्यूजिक गिटार एवं की बोर्ड (एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स)
परिशिष्ठ क्र.–13	वेर्स्टन म्यूजिक गिटार एवं की बोर्ड (एक वर्षीय एडवांस डिप्लोमा कोर्स)

परिशिष्ठ क.–1

CLASS SCHEDULE LECTURE LIST

All Certificate,Diploma & Advance Diploma Courses 30 Weeks / 380 Teaching Hours:

Course	Title:	Credits:	Subject Nature:	Hours/ Week	Hours/ Semester
Certificate	Learning Hindustani Music Vocal / Folk Music/ Indian light music **OR** Learning Hindustani Music Instrumental Any one from the following – Violin,Sitar,Flute,Guitar,and Tabla/ Pakhawaj **OR** Learning Indian Classical Dance (Kathak,Bharatnatyam)	3 (1 + 2)	Theory + Practical	3	90
Diploma	Learning Hindustani Music Vocal / Folk Music/ Indian light music **OR** Learning Hindustani Music Instrumental Any one from the following – Violin,Sitar,Flute,Guitar,and Tabla/ Pakhawaj **OR** Learning Indian Classical Dance (Kathak,Bharatnatyam)	3 (1 + 2)	Theory + Practical	3	90
Advance Diploma	Learning Hindustani Music Vocal / Folk Music/ Indian light music **OR** Learning Hindustani Music Instrumental Any one from the following – Violin,Sitar,Flute,Guitar,and Tabla/ Pakhawaj **OR** Learning Indian Classical Dance (Kathak,Bharatnatyam)	10 (2 + 8)	Theory + Practical	10	300
Total:					**418**

परिशिष्ठ क्र.–02

one year certificate course

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)** **Theory music -Theory**	**50**	**17**	**50**
	PRACTICAL- Demonstration and viva	100	33	100
2	**INTERNAL ASSESSMENT** (Notation,Rag description file)	50	17	50
	GRAND TOTAL			**200**

One year Diploma course

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)** **Theory music –Theory**	50	17	50
	PRACTICAL- Demonstration and viva	100	33	100
2	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description file)**	50	17	50
	GRAND TOTAL			**200**

One year Addvance Diploma course

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)**			
	THEORY-I music -Theory	**100**	**33**	**100**
	Theory-II Applied principals of music	**100**	**33**	**100**
	PRACTICAL-I Demonstration and viva	150	50	150
	PRACTICL-II STAGE PERFORMANCE	100	33	100
2	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,Rag description & Music programme attending report file)**	50	17	50
	GRAND TOTAL			**500**

परिशिष्ठ क्र.–03

Sangeetika juniour diploma sugam sangeet

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)** **Theory music -Theory**	**50**	**17**	**50**
	PRACTICAL- Demonstration and viva	100	33	100
2	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,COMPOSITION description file)**	50	17	50
	GRAND TOTAL			**200**

Sangeetika senior diploma sugam sangeet

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)** **Theory music -Theory**	50	17	50
	PRACTICAL- Demonstration and viva	100	33	100
2	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation, COMPOSITION description & Music programme attending report file)**	50	17	50
	GRAND TOTAL			**200**

Folk music juniour diploma

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)** **Theory FOLK music -Theory**	**50**	**17**	**50**
	PRACTICAL- Demonstration and viva	100	33	100
2	**INTERNAL ASSESSMENT** **(Notation,COMPOSITION description file)**	50	17	50
	GRAND TOTAL			**200**

Folk music senior diploma

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)** **Theory FOLK music -Theory**	50	17	50
	PRACTICAL- Demonstration and viva	100	33	100
2	**INTERNAL ASSESSMENT** (Notation, COMPOSITION description & Music programme attending report file)	50	17	50
	GRAND TOTAL			**200**

परिशिष्ठ क्र.—04

1- WESTERN MUSIC GUITAR & keyboard one year certificate Course

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**THEORY**- Basic Western Music Theory 1	**50**	**17**	**50**
	PRACTICAL- Demonstration and viva	100	33	100
	INTERNAL ASSESSMENT (Notation,COMPOSITION description file)	50	17	50
	GRAND TOTAL			**200**

2- WESTERN MUSIC GUITAR & keyboard one year Diploma course

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**THEORY-** Basic Western Music Theory 2	50	17	50
	PRACTICAL- Demonstration and viva	100	33	100
2	**INTERNAL ASSESSMENT (Notation,COMPOSITION description file**)	50	17	50
	GRAND TOTAL			**200**

3- WESTERN MUSIC GUITAR & keyboard one year Advance Diploma Course

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1	**WESTERN MUSIC GUITAR**			
	THEORY-I Western Music Theory	**100**	**33**	**100**
	Theory-II Western Music Theory	**100**	**33**	**100**
	PRACTICAL-I Demonstration and viva	150	50	150
	PRACTICL-II STAGE PERFORMANCE	100	33	100
2	**INTERNAL ASSESSMENT (Notation,COMPOSITION description & Music programme attending report file)**	50	17	50
	GRAND TOTAL			**500**

परिशिष्ठ क्र.–05

एक वर्षीय सर्टिफिकेट
गायन/स्वरवाद्य
सैद्धांतिक–प्रथम प्रश्नपत्र

समय : 3 घण्टे पूर्णांकः 50

1. संगीत, नाद, लय, श्रुति, स्वर, शुद्ध, विकृत, चल, अचल, सप्तक, मंद्र, मध्य, तार, बाईस श्रुतियों में वर्तमान सप्तक की स्वर स्थापना, स्थायी, अंतरा, संचारी, आभोंग की परिभाषा।
2. ध्रुपद, धमार, ख्याल, तराना, चतुरंग, लक्षणगीत, स्वरमालिका, सरगम, भजन, मसीतखानी रजाखानी का विस्तृत परिचय।
3. गायन के परीक्षार्थियों के लिये तानपुरा अथवा हारमोनियम एवं वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये अपने वाद्य का सामान्य परिचय तथा उनके विभिन्न अवयवों का सचित्र ज्ञान।
4. गायक अथवा वादक के गुण–दोषों का अध्ययन।
5. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का विस्तृत शास्त्रीय परिचय। यमन, भैरव, खमाज, काफी एवं भूपाली।
6. पाठ्यक्रम के निर्धारित तालों की ठाह, दुगुन लिखने का अभ्यास– त्रिताल, एकताल, चौताल, झपताल, दादरा एवं कहरवा।
7. पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर अथवा पं. विष्णु नारायण भातखण्डे का जीवन परिचय एवं संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।

प्रायोगिकः- प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांकः 100

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित राग :– यमन, भैरव, खमाज, काफी एवं भूपाली।
2. कल्याण व भैरव थाटों में दस–दस अलंकारों का गायन/वादन।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित सभी रागों में 2 बडे ख्याल अथवा विलम्बित रचना का आलाप, तानों सहित प्रदर्शन।
4. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में स्वरमालिका (सरगम), लक्षणगीत, छोटा ख्याल अथवा द्रुत रचना का आलाप, तानों सहित प्रदर्शन।
5. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से एक ध्रुपद (दुगुन सहित), एक तराना अथवा भजन की प्रस्तुति। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये द्रुत रचना का प्रदर्शन।
6. त्रिताल, एकताल, चौताल, झपताल, दादरा, कहरवा तालों का हाथ से ताली देकर प्रदर्शन व दुगुन का अभ्यास।

आंतरिक मुल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 1 से 3 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. राग परिचय भाग 1 से 2 – श्री हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. प्रभाकर प्रश्नोत्तरी – श्री हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव
6. संगीत शास्त्र – श्री एम. बी. मराठे
7. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा

परिशिष्ठ क.–06

एक वर्षीय डिप्लोमा परीक्षा
गायन/स्वरवाद्य
सैद्धांतिक–प्रथम प्रश्नपत्र

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 50

1. पूर्वराग, उत्तरराग, संधिप्रकाशराग, परमेलप्रवेशक रागों की संक्षिप्त जानकारी।
2. भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति की विस्तृत जानकारी।
3. राग विस्तार में वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, अल्पत्व, बहुत्व एवं न्यास स्वरों का महत्व।
4. तान एवं तोड़ा की परिभाषा, तान एवं तोड़ा में अन्तर, तानों के प्रकार।
5. मीड़, सूत, घसीट, खटका, मुर्की, जमजमा, कृंतन, गमक आदि की सामान्य जानकारी।
6. जीवन परिचयः– अमीर खुसरो, स्वामी हरिदास, तानसेन एवं राजा मानसिंह तोमर का जीवन परिचय एवं संगितिक योगदान।
7. निम्न तालों को तालिपि में दुगुन–चौगुन सहित लेखनः–

   त्रिताल, एकताल, झपताल, रूपक, तीव्रा, तिलवाड़ा, दीपचन्दी, झूमरा तथा चौताल।
8. निम्नलिखित रागों का शास्त्रीय परिचयः–
   बिहाग, भीमपलासी, भैरवी, केदार, रामकली, मालकौंस, शुद्धकल्याण।

प्रायोगिकः- प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 100

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं पाठ्यक्रम के रागः–बिहाग, भीमपलासी, भैरवी, केदार, रामकली, मालकौंस, शुद्धकल्याण।
   (अ) पाठ्यक्रम के रागों में स्वरमालिका एवं लक्षणगीत का गायन (गायन के परीक्षार्थियों के लिये)।
   (ब) पाठ्यक्रम के किन्ही चार रागों में विलम्बित रचना (ख्याल) अथवा मसीतखानी गत का आलाप तानों सहित प्रदर्शन।
   (स) पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में मध्यलय रचना (ख्याल) या राजखानी गत का आलाप तानों सहित प्रदर्शन।
   (द) पाठ्यक्रम के किसी एक राग में ध्रुपद अथवा धमार, (दुगुन–चौगुन सहित) दो तराना एक भजन अथवा अपने वाद्य पर तीन ताल से पृथक अन्य ताल में एक मध्यलय रचना का तानों सहित प्रदर्शन।
2. पाठ्यक्रम के तालों को हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन–चौगुन सहित प्रदर्शन।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय फाईल प्रस्तुत करनी होगी।
कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण

संदर्भ ग्रंथ

1 हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 1 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2 संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3 राग परिचय भाग 1 से 3 – श्री हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव
4 संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5 प्रभाकर प्रश्नोत्तरी – श्री हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव
6 संगीत शास्त्र – श्री एम. बी. मराठे
7 अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा

परिशिष्ठ क्र.–07

एडवांस डिप्लोमा (एक वर्षीय पाठ्यक्रम)
गायन/स्वर वाद्य
सैद्धांतिक प्रथम प्रश्न पत्र

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

1. ध्वनि (सांगीतिक ध्वनि और शोर), नाद और उसके प्रकार, नाद की तीव्रता, तारता। सेमीटोन माईनर टोन, मेजर टोन का परिचय।
2. हिन्दुस्तानी और कर्नाटक स्वर सप्तकों का अध्ययन। ग्रह आदि दस राग लक्षणों का परिचय।
3. गांधर्व गान एवं मार्ग–देशी का सामान्य परिचय। निबद्ध एवं अनिबद्ध गान की सामान्य जानकारी।
4. थाट, राग वर्गीकरण का सामान्य परिचय। शुद्ध, छायालग एवं संकीर्ण रागों का अध्ययन।
5. गणितानुसार हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के 32 और कनार्टक संगीत पद्धति के 72 मेलों की निर्माण विधि। स्वरों की संख्या के आधार पर एक थाट से 484 राग बनाने की विधि।
6. ग्राम और मूर्च्छना के लक्षण एवं भेदों की सामान्य जानकारी।

एडवांस डिप्लोमा (एक वर्षीय पाठ्यक्रम)
गायन/स्वर वाद्य
सैद्धांतिक द्वितीय प्रश्न पत्र

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

1. पाठ्यक्रम के निम्नलिखित रागों का शास्त्रीय परिचय एवं पिछले पाठ्यक्रम के रागों के साथ तुलनात्मक अध्ययन :– राग – छायानट, जयजयवंती, बसंत, कामोद, शंकरा, देशकार, बहार, कालिंगडा, सोहनी।
2. निम्नलिखित अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास।
   (अ) पाठ्यक्रम के किन्हीं 5 रागों में विलंबित रचना (बडा ख्याल), मसीतखानी गत को आलाप तानों सहित लिखने का अभ्यास। किसी ध्रुपद अथवा धमार को दुगुन, चौगुन सहित लिखनाअथवा किसी तराने को लिखने का अभ्यास।
   (ब) पाठ्यक्रम के रागों में से मध्यलय रचना (छोटा ख्याल), रजाखानी गत को स्वर ताललिपि में लिखने का अभ्यास। (आलाप, तानों सहित।)
   किसी भजन अथवा धुन को ताल स्वरलिपि को लिखना।
3. आड, कुआड, बिआड, की परिभाषा एवं अर्थ। तीनताल, दादरा, कहरवा, झपताल, एकताल के ठेकों को आड, कुआड, बिआड की लयकारी में लिखने का अभ्यास।
4. संगीत से संबंधित विविध विषयों पर लगभग 400 शब्दों में निबंध लेखन।
5. जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान :–सदारंग–अदारंग, बाब उस्ताद अलाउद्दीन खॉ, पं. राजा भैया पूछवाले, पं. ओमकारनाथ ठाकुर, पं. रविशंकर, उस्ताद बिस्मिल्लाह खॉ, डॉ. एन. राजम।

एडवांस डिप्लोमा (एक वर्षीय पाठ्यक्रम)
गायन/स्वर वाद्य
प्रायोगिक:-1 प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 150

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं पाठ्यक्रम के राग : छायानट, जयजयवंती, बसंत, कामोद, शंकरा, देशकार, बहार, कालिंगडा एवं सोहनी।
2. पाठ्यक्रम के रागों में स्वरमालिका एवं लक्षण गीत का गायन। (गायन के परीक्षार्थियों के लिये।)
3. पाठ्यक्रम के किन्हीं 5 रागों में विलंबित रचना (बडा ख्याल), विलंबित गत (मसीतखानी) का आलाप तानों सहित प्रदर्शन।
4. पाठ्यक्रम के 7 रागों में मध्यलय रचना (छोटा ख्याल), मध्य लय गत (रजाखानी) का तानों सहित प्रदर्शन।
5. पाठ्यक्रम के किसी एक राग में ध्रुपद अथवा धमार (दुगुन, तिगुन, चौगुन सहित प्रदर्शन।) दो तराने एवं एक भजन की प्रस्तुति। (गायन के परीक्षार्थियों के लिये।)

   अपने वाद्य पर तीनताल के अतिरिक्त अन्य किसी ताल में दो गतों का प्रदर्शन तानों सहित। किसी धुन का प्रदर्शन (वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये)।
6. पाठ्यक्रम के तालों का हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन सहित प्रदर्शन।

एडवांस डिप्लोमा (एक वर्षीय पाठ्यक्रम)
गायन/स्वर वाद्य
प्रायोगिक:-2 मंच प्रदर्शन

पूर्णांक : 100

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किसी एक राग का प्रदर्शन।
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से परीक्षक द्वारा पूछे गये किसी एक राग की प्रस्तुति।
3. ठुमरी, टप्पा, त्रिवट अथवा भजन की प्रस्तुति।

   किसी धुन अथवा त्रिताल के अतिरिक्त अन्य किसी ताल में द्रुत गत का प्रदर्शन। (वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये।)

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

:संदर्भ ग्रंथः

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका –
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र
9 .हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10.चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट
11.संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवांगन
12.राग शास्त्र – डॉ. गीता बैनर्जी
13.संगीत मणि – डॉ. महारानी शर्मा

परिशिष्ठ क्र.–08

संगीतिका जूनियर डिप्लोमा
सुगम संगीत गायन/स्वर वाद्य
सैद्धांतिक

समय : 3 घण्टा पूर्णांक : 50

1. भारत में प्रचलित प्रमुख संगीत पद्धतियों की संक्षिप्त जानकारी।
2. सुगम संगीत में प्रयोंग किये जाने वाले निम्नलिखित वाद्यों की बनावट (सचित्र) एवं वर्णनः– बांसुरी, तबला, ढोलक, डफ, मंजीरा, बैन्जो (बुलबुल तरंग), तानपुरा।
3. परिभाषा एवं वर्णन :– संगीत, नाद, स्वर, सप्तक, अलंकार, (पल्टे), आरोह, अवरोह, पकड, थाट, राग, आश्रयराग, आलाप, तान।
4. गीत, भजन, गजल एवं लोकगीत की संक्षिप्त जानकारी, विशेषताएँ एवं तुलनात्मक अध्ययन।
5. ख्याल, ठुमरी, तराना, कव्वाली, भावगीत, अभंग, रविन्द्र संगीत, नजरूल गीत आदि की संक्षिप्त जानकारी।
6. पं. भातखण्डे निर्मित स्वरलिपि–ताललिपि पद्धति की जानकारी।
7. निम्नलिखित तालों का ताललिपि में लेखन :– दादरा, रूपक, कहरवा, एकताल, त्रिताल।
8. सीखे हुए गीत, भजन एवं गजलों की रचनाएँ लिखकर उनका भावार्थ स्पष्ट करना।
9. "वृन्दवादन" (कोरस) एवं "वाद्यवृन्द" की संक्षिप्त जानकारी।
10. सुगम संगीत विषयक निबंध का लगभग 300 शब्दों में लेखन।
11. निम्नलिखित रचनाकारों का संक्षिप्त जीवन परिचय :– हरिवंशराय बच्चन, गोपालदास, नीरज, मीराबाई, सूरदास, मिर्जागालिब, बहादुरशाह जफर।

संगीतिका जूनियर डिप्लोमा
सुगम संगीत गायन/स्वर वाद्य
प्रायोगिकः- प्रदर्शन एवं मौखिक

समय : 20 मिनिट पूर्णांक : 100

1. आकाशवाणी द्वारा अनुमोदित रचनाकारों की रचनाओं का गायन :–
   (चार–चार) गीत, भजन, गजलें कुल 12 रचनाएँ – (प्रत्येक रचना पृथक रचनाकार की होना अनिवार्य है।) (प्रत्येक रचना की संगीत रचना मौलिक हो।)
2. राग यमन, बिलावल, खमाज, काफी एवं भैरव रागों के आरोह अवरोह एवं पकड तथा इनमें से किसी एक राग में मध्यलय ख्याल (5 आलाप एवं 5 तानों सहित) का गायन।
3. भारत में प्रचलित किन्हीं दो प्रदेशों के लोकगीतों का गायन। (कुल दो लोकगीत, दोनों पृथक प्रदेशों के होना अनिवार्य है।)
4. राष्ट्रगान (जनगणमन) तथा राष्ट्रगीत (वन्देमातरम) (आकाशवाणी अनुमोदित राग देस पर आधारित रचना) कर सस्वर, लय–तालबद्ध गायन।
5. हारमोनियम बजाते हुए दस अलंकारों का गायन।
6. निम्नलिखित तालों की हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन में पढन्त :–
   दादरा, रूपक, कहरवा, रूपक एवं त्रिताल।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय फाईल प्रस्तुत करनी होगी।
कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण

प्रायोगिक अंक विभाजन

गीत	20 अंक
भजन	20 अंक
गजल	20 अंक
लोकगीत	20 अंक
मध्यलय	15 अंक
राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत	10 अंक
हारमोनियम बजाकर गायन	10 अंक
हाथ पर ताल प्रदर्शन	10 अंक
	.....
	125 अंक
	.....

परिशिष्ठ क्र.–09

संगीतिका–सीनियर डिप्लोमा
सुगम संगीत गायन/स्वर वाद्य
सैद्धांतिक

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 50**

1. जूनियर डिप्लोमा के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।

2. सुगम संगीत में प्रयोग किये जाने वाले निम्नलिखित वाद्यों की बनावट (सचित्र) एवं वर्णन : हारमोनियम, सितार, वायलिन, सारंगी, स्पेनिष गिटार, नाल, इलेक्ट्रॉनिक वाद्य (की–बोर्ड, ऑक्टोपेड, इलेक्ट्रॉनिक तानपुरा)

3. वाद्य वर्गीकरण की जानकारी (सुषिर, तंतु, ताल वाद्य आदि)

4. परिभाषाएँ एवं वर्णन :–
   मीड, कण, खटका, मुरकी, गमक, वर्ण, लय , ताल, मात्रा, सम, खाली, भरी, ठेका, आवर्तन।

5. निम्नलिखित सांगीतिक विधाओं की संक्षिप्त जानकारी :–
   शास्त्रीय संगीत, उपशास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत, लोक संगीत एवं चित्रपट संगीत।

6. निम्नलिखित तालों का तालिपि में लेखन ठाह, दुगुन, चौगुन सहित :–
   झपताल, दीपचन्दी, धुमाली, खेमटा, चांचर, भजनी ठेका।

7. संगीत विषयक निबंध का लगभग 400 शब्दों में लेखन।

8. निम्नलिखित रचनाकारों का संक्षिप्त परिचय :–
   कबीरदास, तुलसीदास, गुरूनानक, महादेवी वर्मा, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, जयशंकर प्रसाद, मीर–तकी–मीर, फैज अहमद फैज, जिगर मुरादाबादी।

संगीतिका–सीनियर डिप्लोमा
सुगम संगीत गायन/स्वर वाद्य
प्रायोगिक:- प्रदर्शन एवं मौखिक

समय : 20 मिनिट पूर्णांक : 125

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं आकाशवाणी द्वारा अनुमोदित रचनाकारों की रचनाओं का गायन :
   (दो–दो गीत, भजन, गजलें कुल छः, सभी पृथक रचनाकारों की तथा मौलिक संगीत रचनाएँ।)
2. निम्नलिखित रचनाकारों की रचनाओं का गायन :
   (दो–दो गीत, भजन, गजलें कुल छः सभी पृथक रचनाकारों की तथा मौलिक संगीत रचनाएँ।)

   तुलसीदास, सूरदास, कबीरदास, गुरूनानक, मीराबाई, सुमित्रानन्द पंत, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, गोपालदास, नीरज, जयषंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, मिर्जा गालिब, बहादुरशाह जफर, फैज अहमद फैज, शकील बदायुनी, जिगर मुरादाबादी, मीरतकी मीर।
3. उपरोक्त रचनाओं में से किसी एक रचना में उपज, बढत आदि सहित गायन।
4. एक स्वागत गीत एवं देशभक्ति गीत का गायन **(संगीत रचना मौलिक होना अनिवार्य है।)**
5. राग पूर्वी, मारवा, आसावरी, तोडी एवं भैरवी के आरोह, अवरोह, पकड तथा इनमें से किसी एक राग के मध्यलय ख्याल का गायन, पॉच आलाप एवं पॉच तानों सहित।
6. भारत में प्रचलित किन्हीं दो लोकगीतों का गायन। **(दोनों पृथक प्रदेशों के हों)**
7. निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन एवं चौगुन सहित प्रदर्षन :–
   दादरा, रूपक, कहरवा, झपताल, एकताल, दीपचन्दी, त्रिताल।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

प्रायोगिक अंक विभाजन

गीत	20 अंक
भजन	20 अंक
गजल	20 अंक
लोकगीत	20 अंक
उपज, बढत सहित रचना	15 अंक
मध्यलय ख्याल	15 अंक
ताल प्रदर्शन	10 अंक
देशभक्ति गीत अथवा स्वागत गीत	05 अंक
	.....
	125 अंक
	.....

परिशिष्ठ क्र.–10

लोक संगीत जूनियर डिप्लोमा प्रथम वर्ष
गायन/स्वरवाद्य
लोक शास्त्र

समय : 03 घण्टे **पूर्णांक : 50**

इकाई – 1

1. कार्य कथन और लोक संगीत।
2. लोक संगीत की परिभाषा, परिचय, क्षेत्र एवं विषेषताएं।

इकाई – 2

1. लोक संगीत के अंतर्गत पंडवानी विधा का सामान्य परिचय।
2. तीजन बाई एवं शारदा सिन्हा का परिचय एवं लोक संगीत में योगदान।

इकाई – 3

1. लोक नृत्य एवं लोक गीतों का महत्व, संरक्षण की आवष्यकता।
2. लोकगीत के प्रकारों– चैती, कजरी, दादरा का उपशास्त्रयीय संगीत में स्थान एवं महत्व।

इकाई – 4

1. लोक गीतों के स्वरूप एवं प्रकार यथा –
   (1). संस्कार संबंधी (2). ऋतु संबंधी (3). श्रम सम्बन्धी (4). उत्सव सम्बन्धी
   (5). ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय।
2. लोक संगीत का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई – 5

1. भारत के निम्नलिखित प्रमुख लोक वाद्यों का सामान्य परिचय –
   तर्पा (महाराष्ट्र), चेडा (केरल), पंगु (मणिपुर), नादस्वरम् (कर्नाटक), रवाब (जम्मू कष्मीर), डफ (हरियाणा), डुक्काई (तमिलनाडु), कांसी (पष्चिम बंगाल)।

2. लोक संगीत में वाद्यों का स्थान एवं प्रयोग।

लोक संगीत जूनियर डिप्लोमा प्रथम वर्ष
गायन/स्वरवाद्य
प्रायोगिकरू. प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 100

1. अलंकार का सामान्य ज्ञान (जिस स्वर या थाट के स्वर उस गीत में लगते हैं उन्हीं थाटों या स्वरों में अलंकार कराना है।)
2. तालों का व्यवहारिक ज्ञान। दादरा कहरवा दीपचन्दी आदि। (लोक गीतों में प्रयोग होने वाले ठेके एवं तालों का ज्ञान)
3. अपने प्रदेष के अंचलों के एक–एक लोक गीतों का निम्नानुसार व्यवहारिक ज्ञान –
   (अ). संस्कार गीत, (ब). ऋतु गीत (स). श्रम गीत (द). उत्सव गीत
   (इ) मनोरंजन गीत
4. सीखी हुई किसी लोक रचना को हार्मोनियम पर बजाकर गाने का अभ्यास।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण

लोक संगीत सीनियर डिप्लोमा द्वितीय वर्ष
गायन/स्वरवाद्य
लोक संगीत शास्त्र प्रष्न–पत्र

समय : 03 घण्टे पूर्णांक : 50

इकाई – 1

1. अपने प्रदेष के संबंधित अंचल के प्रतिनिधि लोक नृत्य, लोक गीत एवं लोक वाद्य का सामान्य परिचय।
2. कार्य कथन और लोक संगीत, लोक संगीत की परिभाषा, परिचय, क्षेत्र एवं विषेषताएं।

इकाई – 2

1. लोक गाथा का सामान्य अध्ययन तथा अंचल की प्रमुख लोक गाथायें।
2 लोकगीत के प्रकारों– चैती, कजरी, दादरा का उपशास्त्रयीय संगीत में स्थान एवं महत्व
3 लोक संगीत का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई – 3

1. लोक नाट्य का सामान्य परिचय एवं लोक नाट्य में निहीत सांगीतिक तत्व।
2. अपने प्रदेष के अंचलों में प्रचलित लोक संगीत एवं लोक संस्कृति का सम्बन्ध निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर –
   (1). गीत, (2). वाद्य, (3). लय व ताल, (4). वेषभूषा व आभूषण, (5). विभिन्न अवसरों के लोक वाद्य

इकाई–4

1. लोक गीतों का फिल्मी गीतों पर प्रभाव एवं लोक नृत्य और योग का सम्बन्ध।
2. तीजन बाई एवं शारदा सिन्हा का परिचय एवं लोक संगीत में योगदान।

इकाई–5

1. भारत के निम्नलिखित प्रमुख लोक वाद्यों का सामान्य परिचय–
   नरसिंघा (हिमाचल), झाझन (गुजरात), पंजाबी ढोलक (पंजाब), काहिल (असम), तूर्य (उत्तर प्रदेष), ढोल (बिहार), गम्मौत (गोवा), तौलिया (राजस्थान), डप्पू (आन्ध्र प्रदेष) तर्पा (महाराष्ट्र), चेडा (केरल), पंगु (मणिपुर), नादस्वरम् (कर्नाटक), रवाब (जम्मू कष्मीर), डफ (हरियाणा), डुक्काई (तमिलनाडु), कांसी (पष्चिम बंगाल)।

2 लोक गीतों के स्वरूप एवं प्रकार यथा –
   (1). संस्कार संबंधी (2). ऋतु संबंधी (3). श्रम सम्बन्धी (4). उत्सव सम्बन्धी
   (5). ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय।

लोक संगीत सीनियर डिप्लोमा द्वितीय वर्ष
गायन/स्वरवाद्य
प्रायोगिकरू. प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक–100

5. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं अलंकार का सामान्य ज्ञान (जिस स्वर या थाट के स्वर उस गीत में लगते हैं उन्हीं थाटों या स्वरों में अलंकार कराना है।)
6. तालों का व्यवहारिक ज्ञान। दादरा कहरवा दीपचन्दी आदि। (लोक गीतों में प्रयोग होने वाले ठेके एवं तालों का ज्ञान)
7. अपने प्रदेष के अंचलों के एक–एक लोक गीतों का निम्नानुसार व्यवहारिक ज्ञान –
   (अ). संस्कार गीत, (ब). ऋतु गीत (स). श्रम गीत (द). उत्सव गीत
   (इ) मनोरंजन गीत
8. सीखी हुई किसी लोक रचना को हार्मोनियम पर बजाकर गाने का अभ्यास।

5 अपने प्रदेष के अंचलों के सीखे हुये लोकगीतों में शास्त्रीय संगीत के तत्व और लोकगीत तथा शास्त्रीय संगीत से सम्बन्ध।

6 निम्नलिखित भारत के प्रमुख प्रतिनिधि लोकगीतों का अवसर, स्वर पक्ष, प्रयुक्त होने वाले वाद्य, लय व ताल तथा भावार्थ सहित किन्हीं तीन का व्यवहारिक ज्ञान।बुन्देलखण्डी (मध्यप्रदेष), लावणी, पोवाड़ा (महाराष्ट्र), गरबा (गुजरात), विदेषिया (बिहार), भांगड़ा या टप्पा (पंजाब), बादल या भटियाली (पष्चिम बंगाल), बीहू (असम), चैती या कजरी (उत्तर प्रदेष), नाटी या गिद्दा (हिमाचल प्रदेष), उड़िया (उड़ीसा), मणीपुरी (मणिपुर), ओणम (केरल), माथुरी (आन्ध्र प्रदेष), आदि।

7 सीखे हुये लोक गीतों के साथ वाद्यों को बजाने का सामान्य ज्ञान।

8 सीखे हुये किसी भी लोक रचना को स्वरबद्ध करने का अभ्यास।

आंतरिक मूल्यांकन

पूर्णांकः 50

आवश्यक निर्देश–: आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

सन्दर्भ ग्रन्थ की सूची

(1) लोक गीतों की सांस्कृतिक भूमि – श्री विद्याचरण
(2) फोक सांग्स ऑफ इंडिया – श्री हेमाल्स
(3) भारत के लोक नृत्य – श्री लक्ष्मी नारायण
(4) राजस्थान का लोक संगीत – श्री देवीलाल सांभर
(5) मालवा के लोक गीत – डॉ. चिंतामणि उपाध्याय
(6) फोक कल्चर एवं ओरल टेडिरान्स – श्री एस. एल. श्रीवास्तव
(7) भोजपुरी लोक गीत – श्री कृष्ण देव उपाध्याय
(8) मैथली लोक गीतों का अध्ययन – डॉ. तेजनारायण लाल
(9) अवधि लोक गीत और परम्परा – श्री इंद्र प्रकाष पांडे
(10) बुन्देलखण्ड के लोक गीत – डॉ. उमाषंकर शुक्ल
(11) निमाड़ी लोक गीत – डॉ. राम नारायण अग्रवाल
(12) विन्ध्य के आदिवासियों के लोक गीत – श्री चन्द्र जैन
(13) मालवी लोकगीत एवं विवेचनात्मक अध्ययन – डॉ. चिन्तामणि उपाध्याय
(14) कुल्लू के लोकगीत – श्री एस. एस. रणधाना
(15) गढ़वाल के लोकगीत – श्री गोविन्द चातक
(16) लोक गीतों की सामाजिक व्याख्या – श्री कृष्णा दास
(17) कला और संस्कृति – श्री वासुदेव शर्मा
(18) लोक जीवन – कास कमलेष्वर
(19) भारतीय लोक साहित्य – डॉ. श्याम परमार
(20) भारतीय संस्कृति – डॉ. नल्दा प्रसाद मिश्र
(21) ब्रज लोक साहित्य की अभ्यास – डॉ. सत्येन्द्र
(22) बुन्देलखण्ड की संस्कृति तथा साहित्य – श्री श्याम नारायण मिश्र
(23) बुन्देलखण्डी लोक साहित्य – डॉ. रामस्वरूप स्नेही
(24) भारतीय लोक गीतों का संकलन – पं. दल्लन उपाध्याय
(25) कष्मीरी और हिन्दी के लोकगीत तुलनात्मक अध्ययन – पं. जवाहर लाल नेहरू
(26) भोजपुरी लोक संस्कृति एवं हिन्दुस्तानी संगीत – डॉ. संजय कुमार सिंह
(27) हिमाचल प्रदेष का लोक संगीत – केषव जानन्द
(28) आदिवासी लोक कला परिष्द – मध्यप्रदेष शासन भोपाल के समस्त प्रकाषन

परिशिष्ठ क्र.–11

Western Music Guitar & keyboard One Year certificate Cours

Time: 3 hours **Total :- 50**

Basic Western Music Theory 1

Unit 1: Staff Notation – Treble Clef/Note Identification, Keys and Key Signatures [C, F, G], Time Signatures [4/4, 3/4, 2/4], Rhythms (Whole notes, Half notes, Quarter notes, Eighth notes).

Unit 2: Whole steps and Half steps. Scales – Spelling major scales.

Unit 3: Intervals (Unison, Major/Minor 2nds and 3rds, Perfect 4^{th} and 5^{th}).

Harmony 1

Unit 1: Diatonic chord construction (triads) and secondary dominants.

Unit 2: Diatonic chord progressions, Harmonic Function – Tonic, Sub-dominant, Dominant, Introduce passing diminished chords.

Unit 3: Melody – Melody-Harmony relationships, Upper/Lower neighbor tones, passing tones, appoggiaturas. Transposition of melody and harmony.Analysis of scores/lead sheets. Suggestions – simple Chorales/maybe a jazz/pop standard.

Practical :- Demonstration and viva

Time: 1 hours **Total :- 100**

Ear Training 3

Unit 1: Solfege – Major and Minor keys up to 4 sharps and flats. Further work with accidentals.

Unit 2: Rhythmic Studies – Sixteenth Notes, 32^{nd} Notes. Time Signatures – 5/4,7/4,5/8,7/8.

Unit 3: Simple melodic, harmonic and rhythmic dictation. Identification of Major, Minor and diminished triads.

Private Instruction [Guitar] 3

-Sight reading – Syncopated exercises with Eighth and Sixteenth Notes.

-Scales (quarter note = 90bpm) G Major, F Major, Bb Major and Eb Major and their relative minors (minimum 2 octaves).

-Chords – C,F,G,Bb,D Major 7th and Minor 7th.

-2 Etudes, 1 Simple Baroque Piece.

Ear Training 1

Unit 1: Rhythmic studies (Whole, Half, Quarter and Eighth Notes).

Unit 2: Solfege – Movable ‘do’ (Major Keys – C, F, G).

Unit 3: Intervals – Hearing and recognizing intervals. Naming Intervals.

Private Instruction [Guitar] 1

-Simple sight-reading - Exercises with Whole, Half, Quarter, Eighth Notes and Rests.

-Demonstrate scales (quarter note = 60bpm) C, F, G Major and relative minor scales (minimum 1 Octave each).

-Knowledge of Triads in open position.

-2 Simple Etudes.

INTERNAL ASSESSMENT

Total :- 50

(Notation,COMPOSITION description & Music programmeattending report file)

परिशिष्ठ क्र.–12

Western Music Guitar & keyboard one Year Diploma Cours

Time: 3 hours **Total :- 50**

Basic Western Music Theory 2

Unit 1: Spelling Scales – Major scales [C, F, G, D, Bb] and minor scales [a, d, e, b, g], Harmonic and Melodic minor scales. Introduce the Bass Clef, Dotted notes, Ties and Time signatures [3/8, 6/8, 9/8].

Unit 2: Continuation of Intervals (Major/Minor 6ths and 7ths, Augmented 4^{th}/Diminished 5^{th}, Compound Intervals), Consonant and dissonant intervals, Accidentals.

Unit 3: Basic Harmonic Theory. Diatonic triads and their inversions (I, IV, V, ii, iii vi). An introduction to instrument families (winds, strings, percussion, etc.) and commonly used instruments and their ranges.

Harmony 2

Unit 1: Chord Construction (Seventh Chords).

Unit 2: Non-Diatonic Chord Progressions (Secondary/Extended Dominants), Passing diminished chords. Modulation and Review of Transposition.

Unit 3: Further Analysis (Chorales/a relevant standard).

Practical :- Demonstration and viva

Time: 1 hours **Total :- 100**

Ear Training 4

Unit 1: Repeatition of last years Certificate syllabus and Solfege in all keys and all accidentals.

Unit 2: Introduce more complex Rhythmic Studies, Odd Meters, Poly-Rhythms and Tuplets.

Unit 3: Continuation of melodic and Rhythmic Dictation. Harmonic Dictation with Diatonic Chords and Secondary Dominants.

Private Instruction [Guitar] 4

-Sight Reading exercises.

-Scales (quarter note 90bpm) A, E, D, G Harmonic and Melodic Minor Scales.

-Chords and Arpeggios – Review C, F, G, Bb, D Major Seventh, Minor Seventh Chords. Introduce Dominant 7th Chords.

-2 Etudes, 1 Intermediate Baroque Piece.

Ear Training 2

Unit 1: Solfege – More major keys [C, F, G, D, Bb] and their relative Minor Scales, Introduce chromaticism/notes outside the scale or mode.

Unit 2: Continuation of Rhythmic Studies (introduce tied notes), Simple Syncopation.

Unit 3: Continuation of Intervals; Very simple rhythmic and melodic dictation; Basics of transposition.

Private Instruction [Guitar] 2

-Sight-reading – Exercises with Eighth notes and Sixteenth Notes.

-Scales (quarter note = 60 bpm) G, F, D major, Bb Major and their relative minor scales (1 Octave each)

-Knowledge of Triads open position as well as Barre Chords.

-3 Simple Etudes.

INTERNAL ASSESSMENT

Total :- 50

(Notation, COMPOSITION , description & Music programmeattending report file)

परिशिष्ठ क्र.–13

Western Music Guitar & keyboard One Year Advance Diploma Cours

Western Music Theory I Papar

Time: 3 hours **Total :- 100**

Unit 1: Introduction to Chord Scale Theory – Diatonic Chord Scales, and Secondary and extended Dominant Chord Scales and related II-7. Harmonic analysis and Exercises on spelling and naming chord scales.
Unit 2: Figured Bass and analysis of Chorales. Short exercises on figured bass.

Harmony 3
Unit 1: Substitute dominants, Related II-7 and Deceptive resolution of diatonic chords and secondary dominants. Introduction to the Blues and Popular Song forms (AABA, ABA, ABAC, etc.) through analysis of representative works.
Unit 2: Introduction to the modes of the Major scale and how they are derived. Simple Modal Harmony – Cadential and Tonic Function.
Unit 3: Intro to Figured Bass, Further analysis of Chorales, applying figured bass.
Counterpoint 1
Unit 1: Review of Stepwise motion vs. Leaps, Upper and Lower neighbor tones, Passing tones, Diatonic/Chromatic approach notes, Appogiatura, Cambiata, Consonant and Dissonant Intervals.
Unit 2: Cantus Firmus, 1st and 2nd Species Counterpoint.
Analysis of simple Canons and 2-part Inventions.Suggested repertoire – J.S.Bach.

Western Music Theory II Papar

Time: 3 hours **Total :-100**

Unit 1: Further study of Chord Scales – Substitute Dominant chord scales and related II-7, Modal Interchange chord scales. Exercises in spelling and naming the Chord scales.
Unit 2: Further study of Figured Bass including Augmented Sixth chords (French, German and Italian Sixths). Writing a 16 to 24 measure 4-part chorale (SATB).

Harmony 4
Unit 1: Modal Interchange (Subdominant Minor), Functional Reharmonisation.
Unit 2: Compound chords, hybrid chords and Constant structures.
Unit 3: Analysis of relevant pieces.
Counterpoint 2
Unit 1: 3rd and 4th species and florid (5th species) counterpoint.
Unit 2: Analysis of a simple Canon and a simple Invention (Suggested repertoire – J.S.Bach).
Final project should be to write a simple Canon or 2-part Invention (approximately 16 measures).

Practical :-1 Demonstration and viva

Time: 1 hours **Total :- 150**

Western Music Practical

Repeatition of last years diploma syllabus and -Sight reading exercises, and knowledge of diatonic chords and their available tensions. Dominant chords with tensions and altered tensions.
-Ability to play non-diatonic chord progressions with extended and substitute dominants as well as Modal Interchange. Knowledge of their appropriate chord scales.
-Improvisation over chord progressions with extended and substitute dominants as well as Modal Interchange using the appropriate chord scales

Private Instruction [Guitar] 5

-Sight reading exercises.
-Scales (quarter note 90bpm) E, D, G Melodic Minor, and Modes of C and F Major.
-Chords and Arpeggios – C, F, G, Bb, D Minor 7(b5), Diminished triads, Dominant chords with alterations.
-1 Etude
In-Class Performance - 2 appropriate pieces chosen by the teacher, 1 piece chosen by the student (solo or accompanied).

Private Instruction [Guitar] 6

-Sight reading exercises.
-Scales (quarter note 90bpm) Modes of C melodic minor. G, Bb Major and their modes.
-Diatonic and Non-Diatonic Chords.
-1 Etude.
In-Class Performance – 2 appropriate pieces chosen by the teacher, 1 piece chosen by the student (solo or accompanied).

Practical :-2 Stage Performance

Time: 1 hours **Total :- 100**

-Recital (Stage Performance):1Classical piece (Suggested repertoire- Mateo Carcassi/DionisioAguado/D. Scarlatti) and 2 other appropriate pieces - Solo or Accompanied.

INTERNAL ASSESSMENT

Total :- 50

(Notation,COMPOSITION description & Music programmeattending report file)